प्रो॰ अलका क्षत्रिय : स्वजल-धारा के पैसे से ...(व्यवधान)... गरीबों के पैसे लोगों को बांटे जाने हैं, इसकी मंत्री जी जांच-पड़ताल करवाइये। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : अब आप बैठ जाइये। आपका क्वेश्चन हो गया है। ...(व्यवधान)... श्री राजू परमार।

श्री राजू परमार : चेयरमैन साहब, जैसा हमारी सदस्या प्रो॰ अलका जी ने बताया कि केन्द्र सरकार की तरफ से रूरल ड्रिंकिंग वाटर प्रोग्राम के तहत जो फंड अभी रिलीज किया गया है 7844.46 रुपये, जैसा माननीय सदस्या ने बताया कि पूरे नार्थ गुजरात में और पूरे सौराष्ट्र में पानी की किल्लत है, वहां पर काफी सूखा भी पड़ता है और वहां पर ड्रिंकिंग वाटर की खास प्राब्लम होती है, मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो आपने फंड अलोकेट किया है, यह बहुत ही कम है, क्योंकि नार्थ गुजरात और पूरे सौराष्ट्र में हर बार सूखा पड़ता है, तो उसके बारे में क्या आप इस फंड को ज्यादा बढ़ाने की कोशिश करेंगे?

श्री रघुवंश प्रसाद सिंह : सभापति महोदय, अभी दो योजनाएं पीने के पानी के संबंध में हैं, Accelerated Rural Water Supply Programme और स्वजल-धारा दो तरह की योजनाएं अभी चल रही है। लेकिन पहले राजीव गांधी ड्रिंकिंग वाटर मिशन था, उसको पुरानी सरकार ने खटाई में डाल दिया था ...(व्यवधान)...महोदय, उसको हम फिर रिवाइव कर रहे हैं। देशभर में जहां एवेलिबिलिटी आफ वाटर नहीं है। ...(व्यवधान)... महोदय, शुद्ध पानी की उपलब्धता नहीं है, उसके लिए सब मिशन था, उसको हम रिवाइव करने जा रहे हैं और उसके लिए वर्ल्ड बैंक से या इंटरनेशनल फंडिंग करके राशि की कमी न हो, इसके लिए पर्याप्त प्रबंध किया जायेगा। इसमें गुजरात, राजस्थान, आन्ध्र प्रदेश शामिल है। महोदय, यहां क्वालिटी की भी समस्या है ...(व्यवधान)... पानी की अनुपलब्धता है, उपलब्धता की भी समस्या है, उन दोनों ही समस्याओं के समाधान के लिए हम कृत संकल्प हैं। हर तरह से पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की जायेगी। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : नेक्स्ट, डा॰ कुमकुम राय। ...(व्यवधान)...

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : सर, इन्होंने कहा है कि योजना में खटाई डाल दी है या तो ये उसमें चासनी डाल दें या गुड़ वाली मिठाई डाल दें। ...(व्यवधान)...

खेल अकादमी खोला जाना

***306. डा. कुमकुम राय:** क्या युवक कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि राज्यों में संसाधनों की कमी को देखते हुए खेल मंत्रालय ने एक खेल अकादमी खोलने की योजना बनाई थी;

(ख) उक्त खेल अकादमी की राज्य-वार स्थिति क्या है; और

(ग) कितने राज्यों में खिलाड़ियों को वैज्ञानिक तरीकों से प्रशिक्षित करने की योजना है?

युवक कार्यक्रम और खेल मंत्री (श्री सुनील दत्त): (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) से (ग) राज्य खेल अकादमी योजना की संकल्पना अन्य बातों के साथ-साथ इस उद्देश्य से की गई थी ताकि आवश्यक खेल विज्ञान समर्थन सहित उचित आयु में उत्तम प्रशिक्षण प्रारंभ करके खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सके। इसमें केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा निगमित घरानों के संसाधनों को एकत्रित करने की कल्पना की गई है। किसी राज्य अथवा राज्य सरकार से इस संबंध में कोई ठोस प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

Opening of sports academy

†*306. SHRIMATI KUM KUM RAI. Will the Minister of YOUTH AFFAIRS AND SPORTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that in view of paucity of resources in the States, the Ministry of Sports had formulated a scheme to open a sports academy;

(b) the State-wise position of the said sports academy; and

(c) the number of States wherein the players are planned to be trained with scientific methods?

THE MINISTER OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS (SHRI SUNIL DUTT): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) The Scheme of State Sports Academy had been conceptualised, *inter-alia*, to obtain excellence in sports by beginning quality training at a proper age along with necessary sports science back-up. It has been visualised to pool together resources of Central Government, State Government and corporate houses. No concrete proposal has been received from any State or State Government.

†Original notice of the question was received in Hindi.

डा. कुमकुम राय: सभापति महोदय, हमारे विभिन्न राज्यों में तरह तरह के खिलाड़ी बड़ी कुशल स्थिति में हैं लेकिन उन्हें विशेषज्ञता देने के लिए राज्यों में खेल अकादमी खोलने की जरूरत है। अकादमी खोलने के लिए जो खर्चा होगा, उसका 25 प्रतिशत केन्द्र और 24 प्रतिशत राज्य सरकार को वहन करना है तथा बाकी का जो 51 परसेंट है, उसके लिए प्रायोजक खोजने की बात की जा रही है। लेकिन राज्य सरकारों की स्थिति यह है कि उनको प्रायोजक नहीं मिल रहे हैं इसलिए राज्य सरकारें अकादमी नहीं खोल पा रही हैं। क्या केन्द्र सरकार प्रायोजक ढूंढने का कार्य करेगी ताकि कुछ राज्यों में Sports Science केन्द्र खोलकर खिलाड़ियों को वैज्ञानिक तरीके से खेल का प्रशिक्षण दिया जा सके जिससे तमाम...

श्री सभापति: ठीक है, वे आपका प्रश्न समझ गए हैं।

श्री सुनील दत्त: सभापति महोदय, माननीय सदस्या ने बड़ा अच्छा सवाल पूछा है। हमारी कोशिश यही रही है कि जो स्टेट गवर्नमेंट्स हैं, वे भी इसमें अपना योगदान दें, हमारी सरकार भी दे और Corporate Sector के जो लोग हैं, वे भी अपना योगदान दें। इस तरह का एक प्रोग्राम बनाया गया था। इस प्रोग्राम में हमने बहुत से लोगों को चिट्ठियां लिखीं, 63 चिट्ठियां बड़े बड़े Corporate Sectors को लिखी गयीं, बैंक्स के चेयरमैन को लेकिन हमें कोई खास response वहां नहीं मिला। इसके साथ साथ स्टेट गवर्नमेंट्स को भी लिखा गया, लेकिन वहां से भी कोई खास response नहीं मिला। सिर्फ पांच स्टेट्स ने response दिया है जो कि त्रिपुरा, केरल, पंजाब, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर हैं। उन्होंने इस चीज को ऐप्रीशिएट किया है कि यह स्कीम बड़ी अच्छी है लेकिन उन्होंने यह कमिट नहीं किया कि वे अपना योगदान देंगे या नहीं देंगे।

श्री सभापति: आप थोड़ा यह बता दीजिए कि सैंट्रल गवर्नमेंट ने क्या योगदान दिया है?

श्री सुनील दत्त: सैंट्रल गवर्नमेंट तो इसके लिए तैयार है।

श्री सभापति: तैयार होने की बात नहीं है। क्या आपने कुछ योगदान दिया है?

श्री सुनील दत्त: सर वहां से जो sponsors हैं, वे 51 परसेंट शेयर देने वाले हैं। हमारा शेयर 25 परसेंट होगा और 24 परसेंट राज्य सरकारों का शेयर होगा लेकिन हमें 51 परसेंट देने वाले लोग मिले ही नहीं।

श्री सभापति: आप 25 परसेंट तो देना शुरू करिए ताकि अट्रैक्शन से दूसरे लोग भी पैसे दें।

SHRI SUNIL DUTT: It's a pool. 25 परसेंट ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: न आपको sponsors मिलेंगे, न राज्य सरकार से पैसा मिलेगा और न आप देंगे। सब कुछ ऐसे ही चलता रहेगा।

श्री जीवन राय: पहले आप देना शुरू तो कीजिए ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी। ने sponsor मिलेगा, उनको आप पैसा देंगे और न ही राज्य सरकार देगी ...(**व्यवधान**)...

श्री जीवन राय: पहले आप पैसा देना शुरू तो कीजिए। First people want to see the things started.

श्री सुनील दत्त: जब एक स्कीम बनती है ...(व्यवधान)...

श्री जीवन राय: पहले आप प्रोग्राम शुरू करा दीजिए, बाद में पैसा आएगा।

श्री सुनील दत्त: हमारा पैसा बैंक में पड़ा हुआ है, आप स्पांसर कीजिए, आपकी सरकार पैसा दे, आप किसी Corporate Sector को लाइए, वे पैसा दें तो हम पैसा देने को तैयार हैं।

श्री जीवन राय: इस तरह से एक भी नहीं आएगा। ...(व्यवधान)...

श्री सुनील दत्त: इसलिए महोदय, हम अपनी स्कीम ...(व्यवधान)...दोबारा सोच रहे हैं कि उस स्कीम को कैसे तैयार किया जाए। हम तो पैसा देने के लिए तैयार हैं। हमारी सरकार पैसा देने के लिए तैयार है। हमारी सरकार बैठी है, वह पैसा देने को तैयार है। आप स्टेट गवर्नमेंट से, किसी गवर्नमेंट से पैसा लाइए, किसी Corporate Sector को लाइए तो हम बनाते हैं। क्यों नहीं बनाएंगे? हम भी चाहते हैं कि हमारे बच्चे सही तरीके से...

श्री सभापति: ठीक है, वह बात तो हो गयी। Corporate Sector में आपने जो चिट्ठियां लिखी हैं, पत्र लिखें हैं क्या उसका कोई रिसपांस नहीं मिला?

श्री सुनील दत्त: सर, रिसपांस मिला है कि अच्छी स्कीम है लेकिन पैसा देने के लिए किसी ने कुछ नहीं कहा। स्कीम बड़ी अच्छी है लेकिन पैसा देने को कोई तैयार नहीं हैं ...(व्यवधान)...

श्री मोती लाल वोरा: सर, उन Corporate Sector के नाम तो बता दीजिए। कम से कम उनके नाम तो मालूम पड़ जाएं जिन्होंने सहानुभूति दिखलाई है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: नाम तो सुन लीजिए। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: मंत्री जी मीटिंग बुलाइए। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: जिनको चिट्ठियां लिखी हैं, उनके नाम तो सुन लीजिए। तब पता चल जाएगा। ...(व्यवधान)...

श्रीमती सरला माहेश्वरी: मंत्री जी मीटिंग बुलाएंगे तो सब दौड़े-दौड़े आएंगे। ...(व्यवधान)...

श्री सुनील दत्त: मैं वोरा जी को बताना चाहता हूं कि 63 लैटर्स हमने लिखे है। अगर आप चाहें तो मैं पढ़कर सुना देता हूं, नहीं तो मैं लिखकर भेज दूंगा। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: एक काम अगर आप कर सकते हैं तो करिए। फाइनेंस मिनिस्टर या स्टेट फाइनेंस मिनिस्टर को साथ लेकर इन Corporate Sector वालों को बुला लीजिए, वहां समस्या का समाधान हो जाएगा।

श्री सुनील दत्त: सभापति जी, हम यह भी कर रहे हैं। मैं उन साहब को इनवाइट कर रहा हूं। हम उनके साथ एक मीटिंग भी कर रहे हैं।

डा॰ कुमकुम राय: सभापति जी, हमारे खिलाड़ी वर्षों तक अभ्यास करके, बहुत मेहनत से ओलंपिक जैसे खेलों में हिस्सा लेने जाते हैं, लेकिन वहां डोप टेस्टिंग में उन्हें अयोग्य ठहरा दिया जाता है, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि भारत में जो डोप टेस्ट प्रणाली है, वह अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है या नहीं है?

श्री सुनील दत्त: सभापति जी, इन्होंने डोप का बड़ा अच्छा सवाल पूछा है।

श्री संतोष बागड़ोदिया: सभापति जी, 308 कम्बाइन कर दीजिए।

श्री सुनील दत्त: वह डोप का है, अगर उसे कम्बाइन कर दें तो मैं साथ ही जवाब दे दूंगा।

श्री सभापति: अभी यह तो खत्म कर दीजिए।

श्री सुनील दत्त: सभापति जी, हमारे यहां पर डोप का अच्छा इंतजाम है, एट पार है। जो इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन्स का स्टैण्डर्ड है, उसी स्टैण्डर्ड से हम काम कर रहे हैं। इसमें ऐसी कोई बात नहीं हैं। अभी हमारा वाड़ा के साथ कांट्रेक्ट हो रहा है, हमारा उनके साथ एग्रीमेंट हो रहा है। जब एग्रीमेंट हो जाएगा तो हम इंटरनेशनल लेवल के होंगे।

*307. [The question (Shri Amar Singh) was absent. For answer *vide* page 32]

Dope Testing System in India

*308. SHRI SANTOSH BAGRODIA:†
SHRIMATI AMBIKA SONI:

Will the Minister of YOUTH AFFAIRS AND SPORTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India's system for dopetesting is faulty and is open to manipulation; and

(b) the details of dopetesting of Ms. Sanamacha Chanu and Ms. Pratima Kumari before they went to Athens?

THE MINISTER OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS (SHRI SUNIL DUTT): (a) and (b) A Statement is laid on the Table of the House.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Santosh Bagrodia.